जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 330 प्रभात हिण्डौन सिटी, शुक्रवार 3 अक्टूबर, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'सरकार के प्रति असंतोष की हिंसक अभिव्यक्ति से बदलाव नहीं आ सकता'

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने ''जैन ज़ी'' के बढ़ते असंतोष पर चिंता जताई और कहा कि देश में विभिन्न समुदायों को उकसाने की कोशिश की जा रही है

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रही ताकतों को लेकर आगाह किया और कहा कि भारत को ऐसी ताकतों के प्रति और अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। विजयदशमी के अवसर पर नागपुर में आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर अपने महत्वपूर्ण भाषण में भागवत ने कहा कि हाल के समय में देश में समुदायों को भड़काने की कोशिशें हुई हैं।

भागवत ने आगाह किया, ''ऐसी उग्र अशांति का उपयोग अक्सर राष्ट्रविरोधी विदेशी ताकतों द्वारा किया जाता है।''

- आरएसएस के मुख्यालय से विजयदशमी के उद्बोधन में भागवत ने बाँग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल के जैन ज़ी आंदोलन का हवाला देते हुए चेतावनी दी कि ऐसे असंतोष का इस्तेमाल अक्सर बाहरी ताकतें राष्ट्र को अस्थिर करने के लिए करती हैं।
- भागवत ने सरकार को भी चेतावनी दी कि जब जनता की स्थिति को ध्यान में रख कर नीतियां व योजनाएं नहीं बनाई जाती हैं तो असंतोष पैदा होता है।
- भागवत ने अमेरिका द्वारा टैरिफ वृद्धि पर भी बोला और कहा, ''स्वदेशी का कोई विकल्प नहीं है, हमें आत्मनिर्भरता की नीति पर चलना होगा, किसी के भी दबाव में आए बिना।''
- भागवत ने यह भी कहा कि पहलगाम अटैक और ऑपरेशन सिंदूर ने बता दिया कि कौन हमारा दोस्त है और कौन दुश्मन।
- भागवत ने संघ के विजयदशमी महोत्सव की शुरुआत ''शस्त्र पूजा'' के साथ की। कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस भी मौजूद थे।

उन्होंने कहा, हाल के समय में हमारे पड़ोसी देशों में काफी उथल-पुथल देखने को मिली है। श्रीलंका, बांग्लादेश और हाल ही में नेपाल में हिंसक जन आक्रोश के कारण सत्ता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने भागवत के संबोधन की सराहना की

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के विजयदशमी संबोधन की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''परम पूज्य सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी के प्रेरणादायक संबोधन में राष्ट्र निर्माण में

- प्र.मंत्री ने एक्स पर लिखा, परम पूज्य सरसंघचालक मोहन भागवत का उद्बोधन प्रेरणस्पद था। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में आरएसएस के योगदान के बारे में बताया।

संघ के समृद्ध योगदान को रेखांकित किया गया और इस पावन भूमि की उस अंतर्निहित शक्ति को उजागर किया गया, जो भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाकर पूरे विश्व को लाभ पहुंचा सकती है।''

अपने एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भागवत ने राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को उजागर किया। उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस प्रमुख ने भारत की उस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका में ट्रंप के सबसे प्रबलतम समर्थक कौन हैं?

राहुल गांधी के अनुसार, ये वो ही लोग हैं जिन्होंने अमेरिका में औद्योगिक परिवर्तनों के कारण अपने जॉब खोए हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज ईआईए यूनिवर्सिटी ऑफ कोलम्बिया के एक कार्यक्रम में बोलते हुए ''संरचनात्मक खामियों'' का मुद्दा उठाया और कहा कि देश की विविध परंपराओं को फलने-फूलने का अवसर मिलना चाहिए।

अपने व्याख्यान में, गांधी ने आरएसएस- भाजपा पर सीधा निशाना साधा और कहा कि उनकी विचारधारा के मूल में ''कायरता'' है।

उन्होंने कहा, ''यह भाजपा-आरएसएस की प्रकृति है। आप विदेश मंत्री का बयान देखें, जिसमें उन्होंने कहा, 'चीन हमसे कहीं ज्यादा ताकतवर है, मैं उनसे कैसे भिड़ सकता हूँ?' यानी उनकी विचारधारा के केन्द्र में कायरता है।'' गांधी ने विनायक दामोदर सावरकर की किताब से एक घटना को उद्धृत किया, जिसमें हिन्दुत्व-विचारक सावरकर ने लिखा है कि ''उन्होंने और उनके दोस्तों ने एक मुस्लिम व्यक्ति को पीटा और उन्हें बहुत खुशी मिली।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राहुल गांधी ने कोलंबिया विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, जो लोग एनर्जी ट्रांज़ैक्शन को सफलता से मैनेज करते हैं, वे ही रामराज्य बनाते हैं
- वर्तमान में संघर्ष चल रहा है कि पैट्रोल चालित वाहनों की जगह, अब बिजली से चलने वाली गाड़ियों का परिवर्तन कौन मैनेज करेगा।
- इस दौड़ में चीन, अमेरिका से आगे बढ़ता जा रहा है। पर, चीन का औद्योगिक उत्पादन अप्रजातंत्रीय व्यवस्था पर आधारित है। पर, भारत के समक्ष चुनौती है कि औद्योगिक उत्पादन को प्रजातंत्रीय व्यवस्था में सफल बनाये। क्योंकि, प्रजातंत्रीय व्यवस्था ही भारत में चल सकती है।
- इससे पूर्व अमेरिका व इंगलैण्ड में कोयले व स्टीम को पैट्रोल से रिप्लेस किया था। अतः औद्योगिक क्रांति का लाभ लेकर पूरे विश्व में छा गये थे। भाजपा ने राहुल की सोच पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि वे लीडर ऑफ ऑपोज़ीशन नहीं, लीडर ऑफ प्रोपगंडा हैं, जो विदेश जाकर केवल भारतीय प्रजातंत्र की खिल्लियाँ उड़ाते हैं और कभी सेना, कभी ज्यूडीशियरी, कभी संविधान और कभी सनातन धर्म का मखौल उड़ाते हैं।

अंबानी ने पानी का नया ब्रांड ''कैम्पा श्योर'' जारी किया

पैकेज्ड वॉटर के तीस हज़ार करोड़ रूपए के बाज़ार में अंबानी के आने से बड़े ब्रांड, बिसलरी, एक्वाफीना व किनले में खलबली मची

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। ''रिलायंस कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स'' नया पैकेज्ड वॉटर ब्रांड ''कैंपा श्योर'' लॉन्च कर रही है। यह किफ़ायती दाम पर उपलब्ध होगा और 30,000 करोड़ रुपये के पैकेज्ड वॉटर बाज़ार को बदलने का लक्ष्य रखता है। कंपनी कई क्षेत्रीय बॉटलिंग कंपनियों से साझेदारी करेगी और 20-30 प्रतिशत तक सस्ता दाम रखेगी। यह आक्रामक रणनीति पैकेज्ड पानी को आम लोगों तक पहुँचाने और नकली ब्रांड पर रोक लगाने के लिए अपनाई गई है। शुरुआत उत्तरी भारत के बाज़ारों से होगी।

यह कदम बेहद प्रतिस्पर्धी और 30,000 करोड़ रुपये के पैकेज्ड वॉटर उद्योग, जो कई हिस्सों में बंटा है और

- रिलायंस कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स ने बताया कि रिलायंस समूह क्षेत्रीय कंपनियों के साथ अनुबंध कर रहा है।
- रिलायंस समूह ने बताया कि कैम्पा श्योर की कीमत अन्य वॉटर बॉटल्स से 20-30 प्रतिशत कम होगी। सबसे छोटी, 250 मिली की बोतल 5 रूपए में मिलेगी।
- इस समय बाज़ार में बिसलरी, एक्वाफीना व किनले की एक लीटर की बोतल 20 रूपए में और 2 लीटर की बोतल 30 से 35 रूपए में मिलती हैं। पर, कैम्पा श्योर की एक लीटर की बोतल की कीमत 15 रूपए तथा 2 लीटर की बोतल की कीमत 25 रूपए रखी गई है।

बहुत संगठित नहीं है, में हलचल मचाने वाला है। रिलायंस कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स (समूह की एफएमसीजी इकाई) के निदेशक टी. कृष्णकुमार ने कहा, ''हम कई क्षेत्रीय पैकेज्ड वॉटर कंपनियों के साथ बॉटलिंग और छोटे ब्रांडों के लिए गवर्नेंस मानकों को लागू करने के लिए साझेदारी करने और समझौते पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में हैं।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अक्टूबर में शुरु होगी भारत चीन सीधी हवाई सेवा

नयी दिल्ली, 02 अक्टूबर। भारत और चीन ने संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए इस महीने के अंत में चुनिंदा स्थानों से सीधी उड़ान सेवा की बहाली करने पर सहमति व्यक्त की है। इस सहमति से दोनों देशों के बीच पिछले पांच वर्ष

- पूर्वी लद्दाख में 2020 में दोनों देशों की सेनाओं में हुई हिंसक झड़प के बाद से सीधी हवाई सेवा बंद थी।

से बंद सीधी उड़ान सेवाओं की बहाली का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

विदेश मंत्रालय ने गुरूवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि दोनों देशों के नागरिक उड्डयन प्राधिकरणों के बीच चल रही तकनीकी स्तर की चर्चा में यह सहमति बनी है कि दोनों देशों के निर्दिष्ट स्थानों को जोड़ने वाली सीधी उडान सेवा इस महीने के अंत तक फिर से शुरू हो सकती है।

उल्लेखनीय है कि दोनों देशों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार ने लद्दाख में 26 प्रदर्शनकारी रिहा किए

सरकार ने ''गुडविल'' के संकेत के रूप में यह कदम उठाया और वार्ता के लिए तैयार होने की बात कही

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। सरकार ने लद्दाख में पिछले सप्ताह हिंसक विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए 26 लोगों को रिहा कर दिया है। यह कदम क्षेत्र में तनाव कम करने और यह दर्शाने के लिए उठाया गया है कि सरकार इस मुद्दे को शांति से हल करना चाहती है तथा इस पर और ज्यादा टकराव या मौतें नहीं चाहती है।

गुरुवार सुबह लेह जिला जेल के बाहर रिहा किए गए लोगों का स्वागत उनके परिजनों और लद्दाखी नेताओं ने किया। उन्हें ''खाता'' (हिमालयी संस्कृति में सम्मान और शुभकामना का प्रतीक सफेद रेशमी दुपट्टा) पहनाकर सम्मानित किया गया। लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) के सह-अध्यक्ष त्सेरिंग दोरजे लाकरुक भी इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने इन लोगों को सम्मानित किया।

सरकार की सद्भावना की यह पहल ऐसे समय आई, जब श्री लाकरुक ने घोषणा की थी कि एलएबी, जो क्षेत्र में बौद्ध बहुल आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी, विशेष रूप से पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को लेकर चल रही वार्ताओं से हट जाएगा।

सोनम वांगचुक को हिंसा के तीन दिन बाद गिरफ़्तार किया गया था और उनके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसके तहत उन्हें बिना मुकदमे के 12 महीने तक हिरासत में रखा जा सकता है। 59 वर्षीय वांगचुक पर हिंसा भड़काने का आरोप है, जिसका उन्होंने खंडन किया है।

उन्हें राजस्थान में जोधपुर सैंट्रल जेल में रखा गया है। जब हिंसा भड़की तब वे लेह में 15 दिन के अनशन का नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि जैसे ही झड़पें शुरू हुईं, उन्होंने अनशन समाप्त कर दिया और शांति की अपील की थी।

एलएबी ने केन्द्र सरकार से वांगचुक की हिरासत को रद्द करने की मांग की है।

हालांकि, अब तक ऐसा नहीं हुआ।

- पर, लेह एपैक्स बॉडी (एल.ए.बी.) व लद्दाख के अन्य संगठनों ने सोनम वांगचुक को रिहा करने की माँग की है और कहा है कि वांगचुक की रिहाई तक कोई बात नहीं होगी।
- केन्द्र सरकार ने एल.ए.बी. की माँग पर कहा कि हम किसी भी समय वार्ता के लिए तैयार हैं।
- एल.ए.बी. ने हिंसक झड़पों की न्यायिक जाँच कराने की माँग की।

लेकिन इस अपील के कुछ ही घंटे बाद सरकार की ओर से बयान आया कि सरकार का रवैया हमेशा वार्ता के लिए खुला रहा है वह किसी भी समय लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के साथ वार्ता के लिए तैयार है।

केडीए, क्षेत्र की मुस्लिम आबादी का प्रतिनिधित्व करता है।

लद्दाख में पिछले चार वर्षों से राज्य का दर्जा देने की मांग और संवैधानिक गारंटी के आंदोलन ने गत 24 सितंबर को उग्र रूप ले लिया। कारण था अनशन पर बैठे कार्यकर्ताओं की बिगड़ती हालत और सरकार के साथ वार्ता का चौथा दौर अक्टूबर तक के लिए टल जाना।

इसका परिणाम था, अराजकता और दुख। प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा बलों से झड़प में चार लोग मारे गए। सीआरपीएफ की एक गाड़ी को क्षतिग्रस्त किया गया और भाजपा का लेह कार्यालय जला दिया गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 02 अक्टूबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कई अन्य नेताओं ने गुरुवार को

- वे राजघाट पर आयोजित सर्वधर्म सभा में भी शामिल हुए।

गांधी जयंती के अवसर पर बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर मुर्मु, राधाकृष्णन और मोदी सहित कई अन्य नेता महात्मा गांधी की समाधि स्थल राजघाट पहुंचे और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति राजघाट पर महात्मा गांधी की 156वीं जयंती के अवसर पर आयोजित सर्व धर्म प्रार्थना में भी शामिल हुईं।

इससे पहले, मोदी ने सोशल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान में सोलर पंपों की भारी लोकप्रियता के कारण तीव्र गति से जलस्तर ब्लैक ज़ोन में चले जाने से भारी जलसंकट पैदा हो गया है

कुओं पर लगभग साढ़े 6 लाख सोलर पंप लगे हैं, अधिकृत आंकड़ों के अनुसार अनियंत्रित गति से इनकी संख्या बढ़ती जा रही है

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। प्रांतीय जल प्राधिकरण के दस्तावजों से मिली जानकारी के अनुसार, सौर ऊर्जा के प्रति बढ़ ते रूझान की वजह से पाकिस्तान के सबसे अधिक आबादी वाले प्रांत में पानी के भंडार तेजी से खत्म हो रहे हैं।

करामात अली की गायें और भैंसें एक समय उनके बड़े परिवार को दूध देती थीं। लेकिन इस साल की शुरुआत में, 61 साल के अली ने दर्जन भर जानवर बेच दिए और उससे मिले पैसों से सौर पैनल खरीद लिए।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के इस धान उत्पादक किसान ने अब अपने खेत में ट्यूबवेल चलाने के लिए सौर पैनलों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। यह ट्यूबवेल एक कुएं और मोटर चालित पंप से मिलकर बना है। इस उपकरण से अली को अपनी फसलों की आसानी से सिंचाई करने में मदद मिलती है और वो अनियमित बिजली आपूर्ति और महंगे डीज़ल पर निर्भर नहीं रहते।

उन्होंने कहा, ''मेरे धान के खेत में पानी की आपूर्ति अब पहले से ज्यादा सुचारू हो गई है।''

पाकिस्तान में सौर ऊर्जा क्रांति के दौर से गुज़रते हुए, अली जैसे किसान डीज़ल और बिजली की जगह सूरज की रोशनी से चलने वाले ट्यूबवेल का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह जानकारी 10 किसानों, सरकारी अधिकारियों और विशेषज्ञों के साक्षात्कार से मिली।

पंजाब जल प्राधिकरण के दस्तावेज़ बताते हैं कि सौर ऊर्जा का यह तेज़ विस्तार उसी समय पर हो रहा है, जब प्रांत में ज़मीन के नीचे का पानी तेजी से घट रहा है। तथापि, दस्तावेज़ों में इसका कारण स्पष्ट नहीं बताया गया।

छह किसानों ने रॉयटर्स को बताया कि उन्होंने अपने चावल के खेतों की सिंचाई कहीं ज्यादा नियमित रूप से शुरू कर दी है, इस प्रक्रिया को ''पल्स इरिगेशन'' कहा जाता है। यह पहले संभव नहीं था, लेकिन सौर पंपों की वजह से अब हो रहा है। क्योंकि सौर पम्पों की वजह से बिजली सस्ती हो रही है और वे बहुत ज्यादा पानी खींच रहे हैं।

किसान अब पहले से ज्यादा पानी माँगने वाली धान की खेती भी बढ़ा रहे हैं। अमेरिकी कृषि विभाग के आंकड़े बताते हैं कि 2023 से 2025 के बीच पाकिस्तान में धान की खेती का क्षेत्रफल 30 प्रतिशत बढ़ा, जबकि कम पानी वाली मक्का की खेती का क्षेत्र 10 प्रतिशत घट गया।

- सिंचाई की इस व्यवस्था के कारण किसान चावल की खेती ज्यादा करने लगे हैं, जिसमें पानी बहुत चाहिए। किसानों ने चावल के खेतों में दिन में चार-चार बार पानी देना शुरु कर दिया है।
- गत दो साल, 2023-25 में 30 प्रतिशत और ज्यादा जमीन पर चावल की खेती होने लगी है।
- चीन में सोलर पैनल बनाने की भारी क्षमता है और पाकिस्तान इन पंपों के लिए सबसे बड़ा मार्केट बन गया है। चीन की अबाधित सप्लाई के कारण यह पैनल बहुत सस्ते हो गये हैं। यह भी एक कारण है, सोलर पंपों की बढ़ती माँग के पीछे। सोलर पंपों के दाम 80 प्रतिशत तक गिर चुके हैं, दूसरी ओर 2023 में बिजली के दामों में अचानक वृद्धि हुई थी, साथ ही पावर ग्रिड से प्राप्त बिजली की सप्लाई इर्रैग्युलर है।

पाकिस्तान में ट्यूबवेल की कुल संख्या के हालिया आधिकारिक अनुमान उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि, उनकी रजिस्ट्री की ज़रूरत नहीं होती। लेकिन इनका इस्तेमाल इतना व्यापक है कि सौर ऊर्जा से बिजली बनाने वाले किसानों के कारण 2025 तक के तीन वर्षों में, कृषि क्षेत्र द्वारा खपत की जाने वाली ग्रिड बिजली की मात्रा में 45 प्रतिशत गिरावट आने की संभावना है। यह अनुमान ऊर्जा अर्थशास्त्री अम्मार हबीब का है, जो पाकिस्तान के बिजली मंत्री के सलाहकार हैं। उनका अनुमान राष्ट्रीय ऊर्जा प्राधिकरण के खपत आँकड़ों पर आधारित है।

रॉयटर्स की गणना, जो हबीब के आँकड़ों पर आधारित है और हबीब तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब- हरियाणा, चंडीगढ़ में भारी वर्षा की चेतावनी

चंडीगढ़, 02 अक्टूबर। उत्तर-पश्चिम भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में पांच से सात अक्टूबर के दौरान गरज-चमक, तेज हवाओं के

- मौसम विभाग के अनुसार 5 से 7 अक्टूबर के बीच भारी वर्षा तथा कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना है।

साथ भारी या अति भारी वर्षा तथा ओलावृष्टि होने का अनुमान है।

मौसम विभाग द्वारा गुरुवार को जारी पूर्वानुमान और चेतावनी अनुसार, चार अक्टूबर से उत्तर-पश्चिम भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के आसार हैं। इसके पांच से सात अक्टूबर के दौरान पश्चिमी हिमालय क्षेत्र और उत्तर पश्चिम भारत के आसपास के मैदानी इलाकों के प्रभावित होने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)